VIDYA BHAWAN BALIKA VIDYA PITH

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय बिहार

class 12 commerce Sub. ECO/ B Date 26.5.2020

Teacher name – Ajay Kumar Sharma

INDIAN ECONOMY 1950–1990

Question 1:

Define a plan.

ANSWER:

A plan is a proposed list of goals that an economy wants to achieve within a specific period of time. It suggests the optimum ways to utilise the scarce available resources to achieve the enlisted goals. In India, planning is done for a period of five years, which is called five year plan. Plans have both specific and general goals. Some of the common goals are economic growth, modernisation, self-reliance and equity. Plans lay down the basic framework over which the policies are designed. Often various goals are conflicting to each other, for example, modernisation reduces labour employment. So there is a need to maintain a balance among different goals. एक योजना उन लक्ष्यों की एक प्रस्तावित सूची है जो एक अर्थव्यवस्था एक विशिष्ट समय अवधि के भीतर हासिल करना चाहती है। यह सूचीबद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दुर्लभ उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के लिए इष्टतम तरीके सुझाता है। भारत में, नियोजन पाँच वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है, जिसे पंचवर्षीय योजना कहा जाता है। योजनाओं में विशिष्ट और सामान्य दोनों लक्ष्य होते हैं। कुछ सामान्य लक्ष्य आर्थिक विकास, आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता और इक्विटी हैं। योजनाएं मूल रूपरेखा तैयार करती हैं, जिस पर नीतियां तैयार की जाती हैं। अक्सर विभिन्न लक्ष्य एक-दूसरे के लिए परस्पर विरोधी होते हैं, उदाहरण के लिए, आधुनिकीकरण श्रम रोजगार को कम करता है। इसलिए विभिन्न लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

Question 2:

Why did India opt for planning?

ANSWER:

Soon after independence, India faced an important choice to opt either for capitalism or socialism. Finally, India, inspired by the extraordinary success of planning in Soviet

Union, opted for socialism. Although, Indian political and economic conditions were not as favourable as it was for Soviet Unions to opt for socialism, yet India adopted socialism but with a difference. India hinged upon the socialist idea with a strong emphasis on public sector and active participation of the private sector in a democratic framework. The Planning Commission (1950) was established with the motive that the government would undertake comprehensive planning for the nation as a whole, where public sector would lay down the basic economic framework and would encourage private sector for their active contribution to the economic growth. स्वतंत्रता के तुरंत बाद, भारत को पूंजीवाद या समाजवाद का विकल्प चुनने के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प का सामना करना पड़ा। आखिरकार, सोवियत संघ में योजना बनाने की असाधारण सफलता से प्रेरित भारत ने समाजवाद का विकल्प चुना। हालाँकि, भारतीय राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियाँ उतनी अनुकूल नहीं थीं, जितनी सोवियत यूनियनों ने समाजवाद का विकल्प चुना था, फिर भी भारत ने समाजवाद को अपनाया लेकिन एक अंतर के साथ। भारत सार्वजनिक क्षेत्र पर एक मजबूत जोर और एक लोकतांत्रिक ढांचे में निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी के साथ समाजवादी विचार पर टिका है। योजना आयोग (1950) इस उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था कि सरकार समग्र रूप से राष्ट्र के लिए व्यापक योजना बनाएगी, जहां सार्वजनिक क्षेत्र बुनियादी आर्थिक ढांचे को बनाए रखेगा और आर्थिक विकास में उनके सक्रिय योगदान के लिए निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करेगा।

Question 3:

Why should plans have goals?

ANSWER:

Every plan should have specified goals. Plan without goal is like life without soul. While a plan specifies the means and ways to allocate scarce resources to achieve proposed targets, goals are the ultimate targets, the achievement of which ensures the success of plans. Thus, plans must include the goals. हर योजना में निर्दिष्ट लक्ष्य होने चाहिए। लक्ष्य विहीन योजना आत्मा के बिना जीवन के समान है। जबकि एक योजना प्रस्तावित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दुर्लभ संसाधनों को आवंटित करने के साधनों और तरीकों को निर्दिष्ट करती है, लक्ष्य अंतिम लक्ष्य हैं, जिनमें से उपलब्धि योजनाओं की सफलता सुनिश्चित करती है। इस प्रकार, योजनाओं में लक्ष्यों को शामिल करना चाहिए।

Question 4:

What are high Yielding Variety (HYV) seeds ?

ANSWER:

High Yielding Variety of seeds was developed by the Nobel Laureate Dr. Narman Barlauf in Mexico. These seeds are more productive and need regular and adequate irrigation facilities along with greater use of fertilisers and pesticides. In 1966, consequent to the use of HYV seeds, Indian agricultural sector experienced Green Revolution, especially in the crops of rice and wheat. HYV seeds grow faster than the normal seeds and, consequently, crops can be harvested in a much shorter time period. Initially, HYV seeds were used in states like Punjab, Andhra Pradesh and Tamil Nadu (as these states had more suitable irrigation facilities) and later on to other states. Consequent to the use of HYV seeds, the production of food grains in 1967-68 increased by 25% (approx). मेक्सिको में नोबेल विजेता डॉ। नर्मन बारलाउफ़ द्वारा बीजों की उच्च उपज विविधता विकसित की गई थी। ये बीज अधिक उत्पादक होते हैं और उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक उपयोग के साथ-साथ नियमित और पर्याप्त सिंचाई सुविधाओं की आवश्यकता होती है। 1966 में, HYV बीजों के उपयोग के परिणामस्वरूप, भारतीय कृषि क्षेत्र ने हरित क्रांति का अनुभव किया, खासकर चावल और गेहूं की फसलों में। HYV के बीज सामान्य बीजों की तुलना में तेजी से बढ़ते हैं और फलस्वरूप, फसलों की कटाई बहुत कम समय में की जा सकती है। प्रारंभ में, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में HYV बीजों का उपयोग किया गया था (क्योंकि इन राज्यों में सिंचाई की अधिक उपयुक्त सुविधाएँ थीं) और बाद में अन्य राज्यों में। HYV बीजों के उपयोग के परिणामस्वरूप, 1967-68 में खाद्यान्न का उत्पादन 25% (लगभग) बढ़ गया।